पोत ने पूरी की 12 सौ किमी की यात्रा, बढ़ा उत्साह

खिड़किया घाट के पास खड़ा जलपोत। -जागरण

- कोलकाता से वाराणसी के सफर को 2011 तक की बुकिंग
- काशी से 41 विदेशी मेहमानों को लेकर 14 को रवाना होगा क्रूज

वाराणसी, संवाददाता : कोलकाता से वाराणसी के बीच क्रूज 'वीआर पांडव' की 15 दिनों की सफल यात्रा से उत्साह बढ़ा है और इसे 2011 तक जारी रखने का निर्णय किया गया है। बुकिंग की स्थिति को देखते हुए उम्मीद है कि अगले वर्ष से इस रूट पर और पोत चलने लगेंगे। तकरीबन 12 सौ किलोमीटर की जलयात्रा के बाद रविवार को दिन में खिड़किया घाट पहुंचा यह जलपोत 14 अक्टूबर की सुबह 41 विदेशी मेहमानों को लेकर कोलकाता वापस जाएगा।

गाजीपुर में आई तकनीकी खराबी रविवार की सुबह दूर होने के बाद पोत को आगे के लिए रवाना कर दिया गया था। पोत के दिन में एक बजे खिड़किया घाट पहुंचने के बाद पांडव क्रूजेज इंडिया के निदेशक राज सिंह ने पत्रकारों को बताया कि कोलकाता से वाराणसी की यात्रा विदेशी मेहमानों के लिए रोमांचकारी रही लेकिन पोत प्रबंधन के लिए निर्धारित समय पर काशी पहुंचना चुनौती भरा रहा। इससे जहां उत्साह बढ़ा वहीं यह यात्रा पर्यटन विकास की दिशा में ठोस कदम साबित हुई। इसी के साथ यह भी साफ हो गया कि कोलकाता से वाराणसी के बीच मार्च तक तय 10 ट्रिप भी सफल होगी। यात्रा के दौरान आई कठिनाइयों की बाबत श्री सिंह ने बताया कि झारखंड से आगे राजमहल पार करते समय गंगा में प्रवाहित कचरों ने क्रूज की रफ्तार आधी कर दी। हम शिड्यूल से दो दिन पीछे हो गए। पटना में जलपोत को रोक दिया गया। कचरों के फंसने से मशीन में आई खराबी को दूर कर यात्रा शुरू की गई। क्रूज देखकर उत्साहित ग्रामीणों की भीड़ को नियंत्रित करने की भी थोड़ी दिक्कत सामने आई। बाकी राह निष्कंटक रहा। हां, गंगा से जुड़ी धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए विदेशी मेहमानों के खान-पान और सुविधा की दिशा में कुछ और बेहतर करने की जरूरत महसूस की गई। अगली ट्रिप में कोशिश होगी कि मेहमानों को बीच राह के राज्यों के विशिष्ट व्यंजनों के साथ ही योगा की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। बलिया में ऊंट की सवारी की सुविधा अच्छी है। शासन और प्रशासन से बात की जाएगी कि घाट के किनारे यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इससे जहां रोजगार बढ़ेगा वहीं विदेशियों के लिए आकर्षण का केंद्र भी होगा। विदेशी मेहमानों के रिस्पांस की बाबत सवाल पर कहा कि अच्छे परिणाम सामने आए हैं। मार्च तक की पूरी बुकिंग और 2011 तक के लिए विदेशियों के बुकिंग ऑफर ही यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि इस यात्रा के प्रति सैलानियों में कितना आकर्षण है।

उन्होंने बताया कि भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के इंजीनियरों का समय से सहयोग न मिलता तो शायद पोत पटना से आगे नहीं बढ़ पाता। यह बात दीगर है कि समयाभाव के कारण विदेशी मेहमानों को गाजीपुर से सड़क मार्ग से वाराणसी भेजना पड़ा लेकिन जलपोत का तय समय के अंदर काशी लाना हमारी सबसे बड़ी सफलता है। जहां तक गंगा में प्रदूषण का सवाल है तो बाढ़ के चलते न गंगा मैली नजर आई और ना ही पानी संकट का सामना करना पड़ा। वैसे भी इस पोत को महज चार फुट गहरे पानी की जरूरत होती है। वह हमें मार्च तक मिलेगा। उन्होंने बताया यह यात्रा विदेशी मेहमानों के लिए कौतूहल भरा था। वे बहुत खुश थे। काफी ऊंचाई से गंगा के किनारे की हरियाली, ग्रामीण परिवेश, मंदिर, घाट देख वे रोमांचित थे। हर लम्हे को कैमरे में कैद करने की होड़ सी मची थी। वैसे यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए पोत के आगे तीन मोटरबोट चल रहे थे ताकि जरूरत पड़ने पर पोत को खींचकर किनारे लाया जा सके। पंचसितारा होटल जैसे इस तिमंजिले वातानुकूलित पोत में कुल 56 यात्रियों के सफर की व्यवस्था है। इसके प्रथम तल पर 10 व द्वितीय तल पर 18 केबिन बने हुए हैं। हर केबिन में दो-दो बेड लगे हुए हैं। प्रथम तल पर खाने-पीने के लिए डाइनिंग रूम है तो दूसरे तल पर सैलून और थिएटर है। तीसरे तल पर कॉफी हाउस व दर्शकदीर्घा है। जहां से पर्यटक गंगा के लहरों पर रोमांचकारी यात्रा के साथ ही गंगा के किनारे की बस्तियों, उनकी वेशभूषा और रहन-सहन का नजारा भी देख सकते हैं। इसके अलावा पोत पर ही प्रदर्शनी की भी व्यवस्था की गई है ताकि पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिन शहरों के तट पर पोत रुके, वहां के बारे में विदेशी मेहमानों को जानकारी दी जा सके।

आकर्षण में बंधे क्रूज यात्री : क्रूज जलपोत पर सवार हो कोलकाता से काशी की यात्रा पर निकले यात्रियों के दल ने रविवार को सारनाथ में बौद्ध की उपदेश स्थली का भ्रमण किया। इस दौरान वे पुरातात्विक स्थलों के आकर्षण में बंधे रहे। यात्रियों का दल पूर्वाह्न 9.30 बजे सारनाथ पहुंचा और पुरातात्विक खंडहर, धमेख स्तूप, मूलगंध कुटी मंदिर, संग्रहालय का अवलोकन करते रहे। दल में अमेरिका, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मलेशिया समेत अन्य देशों के यात्री शामिल थे। पर्यटन अधिकारी दिनेश कुमार ने उनका मार्गदर्शन किया।

पोत में यात्रियों को बेडरूम। -जागरण

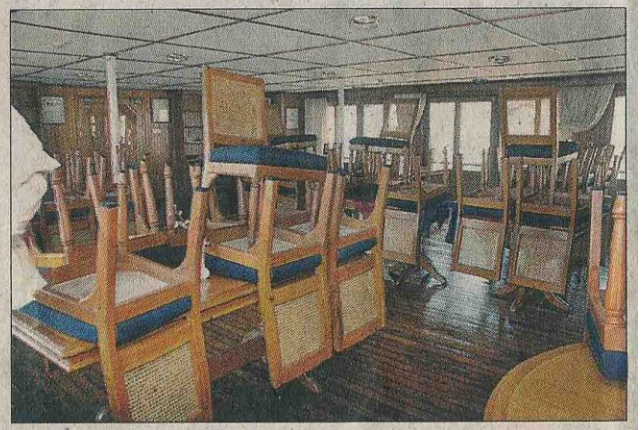

...और यह है पोत का डायनिंग हाल। -जागरण

इस साल गंगा में 10 ट्रिप पूरी करेगा लग्जरी क्रूज पांडव

अमर उजाला

कोलकाता से राजघाट पहुंचा पांडव क्रूज।

वाराणसी। लग्जरी क्रूज विसेल पांडव को विदेशों में मिल रही लोकप्रियता से इस जलपोत के मालिक राज सिंह काफी उत्साहित हैं। रविवार को क्रूज विसेल के साथ खिड़किया घाट पहुंचे श्री सिंह ने घोषणा की कि अगले साल से वे एक और जलपोत गंगा में उतारेंगे। जिस तरह विदेशी सैलानी गंगा में जलपोत से भ्रमण में रुचि ले रहे हैं, संभावना है कि कुछ और कंपनियां गंगा में पर्यटकों के लिए क्रूज विसेल उतारें। श्री सिंह ने कहा कि बलिया में गंगा के किनारे ऊंट की सफारी की योजना तैयार की जाएगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार से बात की जाएगी। शनिवार को गाजीपुर से सैलानियों को सड़क मार्ग से बनारस भेजने के बाद जलपोत पांडव के मालिक राज सिंह रविवार को दिन में क्रूज के साथ खिड़किया घाट पहुंचे। यहां उनका स्वागत भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण पटना के निदेशक एसवीके रेड्डी, सहायक निदेशक वाराणसी वीएन मिश्रा, क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी दिनेश कुमार ने किया। पत्रकार वार्ता में श्री सिंह ने बताया कि इस साल अप-डाउन मिलाकर दस ट्रिप कोलकाता-वाराणसी के बीच करनी है। 2011 तक सभी सीटें बुक हो चुकी हैं। उन्होंने 2010 में एक और क्रूज विसेल गंगा में उतारने की घोषणा की। क्रूज का पैकेज एक यात्री का करीब एक लाख अस्सी हजार रुपये है। इसमें इंग्लैंड से कोलकाता का एयर टिकट भी शामिल है। 14 अक्तूबर को 41 पर्यटकों को लेकर क्रूज खिड़किया घाट से कोलकाता के लिए बढ़ेगा। उधर, भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निदेशक श्री रेड्डी ने दावा किया कि निर्धारित समय से छह घंटे पहले उन्होंने क्रूज विसेल की पहली यात्रा पूरी करा दी।

राज सिंह

सारनाथ भ्रमण किया

सारनाथ। वाराणसी पहुंचे 40 विदेशी मेहमानों के दल ने रविवार को सारनाथ में पुरातात्विक संग्रहालय एवं खंडहर देखा। दल प्रातः 9.30 बजे सारनाथ पहुंचा। जहां धमेख स्तूप, धर्मराजिका स्तूप प्राचीन मूलगंध कुटी मंदिर आदि का अवलोकन किया। तत्पश्चात दल ने संग्रहालय में राष्ट्रीय चिह्न, भगवान बुद्ध और उनके अवशेषों का अवलोकन किया।

...USTAN TIMES, PATNA
...ONDAY, OCTOBER 05, 2009

India Tourism's Bihar foray

Snag in Pandawa cruise ship

HT Correspondent
htpletters@hindustantimes.com

PATNA: As luck would have it, India Tourism's foray into river cruise tourism in Bihar, suffered a minor setback when one of the two engines of the ship — the Pandawa Cruise — developed a snag on entering the state here on Sunday. The ship with 50 foreign tourists, including those from United States of America, United Kingdom, Russia and Australia, is likely to reach the State Capital on October 7.

Greeted by heavy rains and strong winds, the propeller of one of the engines got jammed due to floating garbage in the Ganga river as it reached Sahibganj near Bhagalpur.

Confirming this, Assistant Director General, India Tourism, Sanjay Shreevats said: "May be the floating garbage in the river was a result of idol immersions during Durga Puja. The ship is now moving on one engine but its speed has reduced. The engineers are on the job and we expect the snag to be rectified soon."

Briefing newspersons about the 14-day river cruise, Shreevats said the ship set sail from Kolkata on September 28 and is expected to reach Varanasi on October 11.

On its route to Varanasi, it entered Bihar through the Sahibganj-Kahalgaon-Bhagalpur route. In Bhagalpur, the tourists would visit the Vikramshila University and see the famous Bhagalpur silk. On October 5, the tourists would be taken to the world famous yoga school in Munger.

The next day, they will be taken to Simaria and then to Barh, Nalanda and Bodh Gaya, before reaching here by road. After local sightseeing on October 8, the tourists would leave for Varanasi but board the ship from Haldi Chapra Ghat near Maner.

GREETED BY HEAVY RAINS AND STRONG WINDS, THE PROPELLER OF ONE OF THE ENGINES GOT JAMMED DUE TO FLOATING GARBAGE IN THE GANGA RIVER AS IT REACHED SAHIBGANJ NEAR BHAGALPUR

"Among the major destinations targeted by India Tourism for cruise tourism are Goa, Chennai, Kochi, Mumbai, Kolkata, Guwahati, Lakshwadweep islands and Andaman and Nicobar islands," Shreevats said, adding: "People opting for cruise tourism can enjoy scuba diving, sea-aquatic-marine life, sun bathing, etc."

The individual cost of this 14-day cruise works out to be Rs 1.5 lakh approximately.

MBD Alchemie™
Knowledge Providers
An Interactive Online Academy
CBSE X & XII
AIEEE
AIPMT
For Demo Log on to :
www.mbdalchemie.com
Toll free No. : 1800-200-2233
Franchisee Enquiry solicited

...EGRAPH CALCUTTA THURSDAY 22 OCTOBER 2009
CE

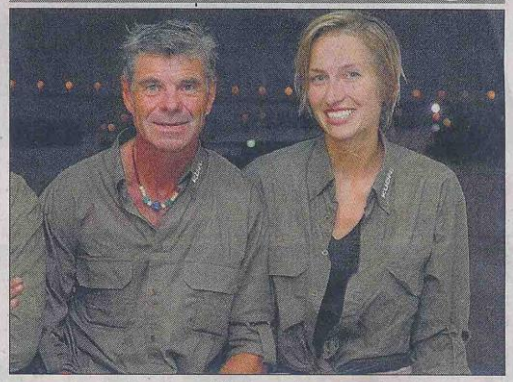

Global team sails the Ganges

Andy Leemann with Czech team member Jaja Vondruskova in Calcutta. (Bishwarup Dutta)

Voyage propels river tourism

A STAFF REPORTER

A 2,500km voyage down the Ganga on inflatable boats by a Swiss explorer and his team has culminated in a river tourism drive by the state government and the Confederation of Indian Industry (CII).

Andy Leemann led 12 crew members from various countries who embarked on the journey at Gangotri, the source of the river, on September 14 and made their way to Calcutta on Monday, documenting climactic and ecological changes along the way.

"There is great scope for soft tourism on the Ganga. By soft tourism, I don't mean thousands of people but small groups of travellers who can be taken downstream to see nature at its best. Plus, there are river dolphins, rare species of turtles and birds, which we saw," said Leemann.

The 55-year-old stressed the need to encourage river tourism and highlighted its potential benefits for those who live along the banks.

More such tours will be undertaken if the CII has its way. "The Ganga passes through only three states — West Bengal, Bihar and Uttar Pradesh. The CII and the Centre have great plans for tourism on the river. While Bihar has come on board, we are in talks with the UP authorities. Trade and investment is bound to follow. Foreign investors have shown great interest," said Manab Pal, the chairman of tourism for CII, eastern India.

On September 24, an MoU was signed between river cruise company Pandaw Cruises India and the state tourism department. The *RV Bengal Pandaw*, designed like a colonial river steamer, left Calcutta on September 28 on its maiden trip down the Ganga to Varanasi, touching Howrah, Hooghly, Nadia and Murshidabad.

The 1,280km tour will cost a tourist between Rs 1.2 lakh and Rs 1.8 lakh. "Although it is expensive, we are booked for the next seven voyages," said Pal.

With former French colony Chandernagore, Nawab-ruled Murshidabad and Portuguese-influenced Bandel making great stops on river cruises in Bengal, this is one boat the tourism industry won't want to miss.